बिना खाए मत जाना

रामवती देवी रामदत्तपट्टी पंचायत के रामपुर नौवाद जो बिहार के सुपौल जिला अर्न्तगत सुपौल प्रंखड में अवस्थित है की निवासी हैं। वे निरक्षर महिला होते हुए भी गांव में पड़ोस की परोपकार कार्य में रुची रखतीं है। 65 वर्ष से ज्यादा उम्र होने के बाबजुद वे लोगों से सरोकार ज्यादा रखती है। ग्रामीण निर्धन परिवार की होती हुई शी वे लोगों के उपकार में हाथ बटाती रहती है। बिना बुलाए शी कहीं जाना।दो लोगों के आपसी चर्चा में भी शग ले लेना उनके सहज व सरल स्वाभाव का परिणाम है। जब 2007 से मेघ पाईन अभियान द्वारा रामदत्तपट्टी पंचायत में गतिविधियां आरंभ हुइ टोला स्तर पर जल विकास समीति बनायी गई तो उसकी मासिक बैठक में यदा कदा आकर शग लेती थी। पंचायत कोषी तटबंध के बगल में होने के कारण जल जमाव व बाढ से ग्रसित हैं, फिर शी रामवती देवी सब कुछ को क्षेलते हुए अभियान के कार्यकर्ता से यदाकदा बात करती थीं।

अर्ध्यम, बंगलोर के सहयोग से मेध पाईन अभियान द्वारा फरवरी 2009 में रामदत्तपट्टी पंचायत के रामपुर नौबाद टोले में सुखदेव साह के कुऑ की उड़ाही हो रही थी। ग्रामीण सहयोग से उड़ाही हो रहीी थी। तीन चार लोग लगातार गंदा पानी कचरा निकाल कर थक चुके थे। थककर उन्होंने उड़ाही कार्य बीच में ही छोड़ दिया। अभियान कार्यकर्ता के आग्रह पर उन्होंने पुन उड़ाही कार्य किया और कुऑ की उड़ाही पुरी हुई। उड़ाही कार्य में 65 वर्षीय रामवती देवी का 30 वर्षीय बेटा रामचन्द्र साह भी योगदान कर रहा था। उड़ाही उपरान्त अभियान कार्यकर्त्ता द्वारा खाना हेतु जो पैसे दिये गये उस पर रामवती देवी ने षोर मचाया। उन्होंने ग्रामीणों को इकट्ठा कर यह कहना आरम्भ किया कि ये सरकार के पैसे को बचाकर फोकट में अपना कार्य करवाना चाहते है। अभियान के कार्यकर्त्ता रामवती देवी की अगुवाई में ग्रामीणों के भीड़ को गंभीरतापूर्वक समझाया। अभियान की गतिविधियों के वास्तविक रूप को स्पष्ट किया। कुआं उडाही के महत्व व श्रमदान को समझाया। उसी वक्त भीड़ से रामावती देवी ने खाना का पैसा वापस करते हुए बोली कि यह तो धर्म का कार्य है। आज तक वे अभियान को सरकार का कार्य समझती थी लेकिन ये लोग तो समाज का उपकार करते हैं। उनसे न समझने का शूल हुई। अब वे अभियान के कार्यकर्ता को सदैव अपने घर में ही खाना खिलायेंगी। अब जब अभियान के कार्यकर्ता रामवती देवी के आंखो के सामने नजर आते हैं तो वह कहती हैं "बाबू बिना खैने नहि जाइह" (बिना खाए मत जाना) रामवती देवी अब यह शी निर्णय ले चुकी है कि अब वे श्रम का षिकार नहीं होने के लिए अश्यिान कार्यकर्ता से बराबर संपर्क में रहेंगी।

माला व श्रीकान्त
क्षेत्र सहायक
मेघ पानि अभियान
ग्राम्यषील, सुपौल